Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

न्यूज डायरी

डीएम ने 'सघन मिशन इन्द्रधनुष–2.0' की समीक्षा की

(संवाददाता) अल्मोड़ा। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने आज कैम्प कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण ''सघन मिशन इन्द्रधनुष–2.0'' की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिये कि सघन मिशन इन्द्रधनुष–2.0 के सफल संचालन हेतु सर्वेक्षण व मोबलाईजेशन का कार्य समय से पूर्ण कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण में छूट गये 0–02 वर्ष के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को सर्वे के आधार पर चिन्हित कर उनका पूर्ण प्रतिरक्षित किया जाय जिसके लिये इस कार्य हेतु आशा कार्यकत्रियों व ए0एन0एम0 को भी चिन्हित कर लिया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि इसका मुख्य उददेश्य विभिन्न जानलेवा बीमारियों से बच्चों व गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित रखना है।

ब्लाक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिसम्बर व जनवरी में

(संवाददाता) अल्मोड़ा। जिला युवा समन्वयक नेहरू युवा केन्द्र प्रियंका नेगी ने बताया कि नेहरू युवा केन्द्र संगठन के प्रयासो के तहत ग्रामीण युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने व ग्रामीण प्रतिभागियों की पहचान करने के लिये ''युवा खेल भावना का प्रतीक है'' भारत सरकार की योजनान्तर्गत जनपद के समस्त विकास खण्डों में ब्लाक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिसम्बर व जनवरी में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस खेल प्रतियोगिता में कब्बडी, बॉलीबाल, 100मी0 दौड़, लम्बी–कूद, रस्सा–कस्सी आयोजित किये जायेंगे। इस खेल में 15 से 29 वर्ष के खेल प्रतिभागी आवेदन कर सकते है।

आक्रोशित छात्रों ने फूंका पुतला

(संवाददाता) गोपेश्वर। गोपेश्वर महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन अभी तक नहीं हो पाया है। प्रतियोगिता की तिथि दिसंबर में तय हुई है, जबकि ऑल इंडिया स्तर की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में इससे पूर्व आवेदन करना है। ऐसे में इस महाविद्यालय के छात्र छात्राएं आल इंडिया स्तर की प्रतियोगिता में आवेदन ही नहीं कर पाएंगे। छात्र–छात्राओं ने इस मसले पर डीएम को ज्ञापन सौंपा। वहीं इससे पूर्व उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री व कुलपति का पुतला दहन कर आक्रोश भी जताया। महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि अंतरमहाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता 18 से 20 दिसंबर तक आयोजित होनी है। आल इंडिया एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन जनवरी में होना है। आल इंडिया स्तर की प्रतियोगिता में आवेदन की तिथि दो दिसंबर तय की गई है, जबकि अंतरमहाविद्यालयी प्रतियोगिता इसके बाद हो रही है। इससे यहां के छात्र छात्राएं आल इंडिया स्तर की प्रतियोगिता में आवेदन ही नहीं कर पाएंगे।

21 विद्यार्थियों को मिला राज्यपाल पुरस्कार

■गायत्री विद्यापीठ के अभिभावक द्वय ने किया प्रोत्साहित

संवाददाता

हरिद्वार। भारत स्काउट गाइड के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज के 21 छात्र–छात्राओं को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें 14 गाइड एवं 7 स्काउट शामिल हैं।

विद्यार्थियों के इस उपलब्धि के लिए गायत्री विद्यापीठ के अभिभावकद्वय डॉ.प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने बधाई दी। इस अवसर पर डॉ. पण्ड्या ने कहा कि विगत कई वर्षों से गायत्री विद्यापीठ स्काउट गाइड के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करते हुए विद्यापीठ के स्काउट गाइड्स ने एक नया मुकाम हासिल किया है। गायत्री विद्यापीठ के संस्थापक पूज्य श्रीराम शर्मा आचार्य की परिकल्पना थी कि गायत्री विद्यापीठ के बच्चे न केवल पढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़े, वरन सेवाभाव एवं अनुशासन को जीवन में उतारने का सतत प्रयत्नशील रहें। विद्यापीठ इस दिशा में सतत आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर श्रद्धेया शैल दीदी ने कहा कि विद्यापीठ के विद्यार्थी पढ़ाई, योग,कला आदि क्षेत्रों के साथ–साथ स्काउट एवं गाइड के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। यहाँ के कई विद्यार्थियों को राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। मुझे विश्वास है कि यहाँ के बच्चे आगे चलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

विद्यार्थियों को राज्यपाल पुरस्कार मिलने के पश्चात् डॉ प्रणव पंड्या व शैल दीदी के साथ।

गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य सीताराम सिन्हा ने बताया कि वर्ष 2019 के लिए 14 गाइड एवं 7 स्काउट को राज्यपाल पुरस्कार मिला है। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ में पढ़ाई के साथ–साथ यहाँ के विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा एवं उनके उन्हें जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है।

शिक्षकों की कमी से प्रभावित हो रही विद्यार्थियों की पढ़ाई

(संवाददाता) विकासनगर। राजकीय इंटर कालेज लांघा पिछले कई वर्षों से शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। इसके चलते यहां छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा मुहैया करना विद्यालय प्रबंधन के लिए मुश्किल हो रहा है। पांच सौ की छात्र संख्या वाले इस विद्यालय में पिछले कई वर्षों से प्रधानाचार्य सहित प्रवक्ता के पांच पद रिक्त चल रहे हैं। ब्लाक के खंड शिक्षाधिकारी वीपी सिंह ने बताया कि शिक्षा सत्र शुरू होने पर विभागीय उच्चाधिकारियों को विद्यालय में शिक्षकों के रिक्त पदों के साथ ही भौतिक संसाधनों की कमी की जानकारी मुहैया करा दी गई थी। बावजूद इसके यहां शिक्षकों की तैनाती नहीं की गई।यहां प्रवक्ता के दस पद स्वीकृत हैं। लेकिन पिछले कई वर्षों से अर्थशास्त्र, गणित, अंग्रेजी और भूगोल के प्रवक्ता सहित प्रधानाचार्य का पद रिक्त चल रहा है। जिससे इंटर की कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई ठप पड़ी हुई है। प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत वरिष्ठ प्रवक्ता के भी प्रशासनिक कार्यों के चलते विद्यालय से बाहर रहने पर उनके विषय का शिक्षण भी प्रभावित हो रहा है।

पुलिस महकमें की जीआईएस मैपिंग होने से अपराधों में भी कमी आएगी

ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम में आंकड़ों की मैपिंग से शासकीय कार्यो में पारदर्शिता व गुणवत्ता आएगी

सराहना

संवाददाता

नैनीताल। ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) में स्थायी एवं शुद्ध आकड़ों की मैपिंग से शासकीय कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता आयेगी। इसके साथ ही आम आदमी को सरकारी चल एवं अचल परिसम्पत्तियों, मानव संसाधन (कार्मिकों) के ऑनलाईन रिकोर्ड होने से अनुश्रवण में सुगमता होगी। इसके साथ पानी, सीवरेज, बिजली, सड़क जैसी बुनियादी सेवाएं बेहतर होंगी तथा विकास का खाका जनावश्यकता के अनुसार बन सकेगा। इससे अतिक्रमण आदि को रोकने में मदद मिलेगी साथ ही पुलिस महकमें की जीआईएस मैपिंग होने से अपराधों में भी कमी आएगी। यह बात मुख्य विकास अधिकारी विनीत कुमार ने नैनीताल क्लब में जनपद की जीआईएस मैपिंग प्रगति समीक्षा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ई–गर्वेन्स एवं जी–गर्वेन्स समय की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए सभी विभागों के अधिकारी वर्ष 2019–20 के आधार पर अपडेट डाटा प्राथमिकता से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा विभागाध्यक्ष एवं कार्यालय अध्यक्ष डाटा सत्यापन प्रमाण पत्र भी दें। उन्होंने कहा कि जीआईएस रिमोट सेंसिंग, डिजिटल तकनीक व हाईटेक विधियों से सुसज्जित है जोकि पुराने आंकड़ों के साथ–साथ नए आंकड़ों को भी संशोधित एवं परिमार्जित करती है। इसमें किसी भी स्थान की स्थिति को उस स्थान पर जाए बिना ही अपने कंप्यूटर पर देखा एवं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में विकास कार्य एवं जिला प्लान जीआईएस आधारित ही बनाये जायेंगे।

सीडीओ बैठक समीक्षा बैठक लेते हुए।

स्टेट नोडल अधिकारी जीआईएस प्रोफेसर जेएस रावत ने बताया कि जीआईएस के माध्यम से पृथ्वी की भौगोलिक आकृतियों, भू–भागों आदि को डिजिटल रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह एक हाईटेक तकनीक है, जिसमें किसी भी डाटा को एनालॉग से डिजिटल तकनीक में बदला जाता है। इसमें प्रायः त्रि–आयामी तकनीक से बने मॉडलों को आधार बनाया जाता है।

जीआईएस तकनीक में एरियल फोटोग्राफी तथा डिजिटल मैचिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जीआईएस कार्यों में भूगोल, गणित, सांख्यिकी जैसे विषयों के अलावा कंप्यूटर ग्राफिक्स, कंप्यूटर, प्रोग्रामिंग, डाटा प्रोसेसिंग व संग्रहण तथा मैपिंग के लिए कंप्यूटर कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का प्राथमिकता से प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि जनपद के 74 विभागों की जीआईएस मैपिंग का कार्य गतिमान है। जिसमें से 45 विभागों का डाटा पूर्ण हो चुका है तथा 17 विभागों का डाटा अपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जनपद के 12 विभागों से अभी तक डाटा अप्राप्त है।

राज्य के 20 युवा सम्मानित

अचीवर्स अवार्ड

संवाददाता

देहरादून। हिमालयन बज ने आज होटल सॉलिटेयर में उत्तराखंड अचीवर्स अवार्ड की मेजबानी करी। समारोह के दौरान अपनी छेत्र में सफल 20 युवाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, आईपीएस अपरना कुमार ने प्राप्तकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किए। अपरना देहरादून में आईटीबीपी (भारत–तिब्बत सीमा पुलिस) उत्तर फ्रंटियर की डीआईजी के रूप में तैनात हैं। वह एक उत्साही पर्वतारोही है और समिट्स की चुनौती को पूरा करने वाली पहली सिविल सेवक और आईपीएस अधिकारी हैं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, यह एक सराहनीय प्रयास है।

सम्मानित किए गए युवा।

ऐसे पुरस्कार अपने क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त करने वालों के व्यवस्थित दृष्टिकोण का निर्माण करते हैं। असफलता कोई अपराध नहीं है बल्कि प्रयासों में कमी एक अपराध है। किसी की भी आयु उनकी उपलब्धि के लिए बाधा नहीं होनी चाहिए। मुझे आशा है कि सभी युवा प्रतिबद्ध रहेंगे और अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखेंगे।

एजुकेशनल एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड फाउंडर ट्विन विन एकेडमी वैभव पांडे को प्रदान किया गया जबकि एग्रीकल्चर एंटरप्रेनर ऑफ द ईयर का खिताब संस्थापक, प्रत्यक्षा अग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड डॉ मृगांको दास को दिया गया।

तुलाज इंस्टीट्यूट के छात्रों ने किया टीएचडीसी का दौरा

तुलाज इंस्टीट्यूट के छात्र टीएचडीसी के दौरे के दौरान।

(संवाददाता) देहरादून। तुलाज इंस्टीट्यूट ने सिविल विभाग के छात्रों के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड टेहरी में एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया। दौरे को टीईक्यूआईपी और उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा प्रायोजित किया गया। औद्योगिक दौरे के दौरान छात्रों को टिहरी बांध के इतिहास के बारे में बताया गया। उन्हें डैम के विभिन्न घटकों के बारे में भी बताया गया। दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों को औद्योगिक दौरे के दौरान टीएचडीसी के काम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और बाँध की रोज की गतिविधियों में टीएचडीसी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।